A–1056

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAKA(N)-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त्त ज्ञान

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मकाण्ड की किसी एक पुस्तक का सामान्य परिचय दीजिए।
2. प्रातः कालीन देवोपासनादि नित्यकर्म की आवश्यकता को बताइये।
3. पुराणों के वर्ण्य विषय का प्रतिपादन कीजिए।

4. पंचांग किसे कहते हैं ? पाँचों अंगों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

5. मुहूर्त्त की परिभाषा लिखते हुए वास्तु शान्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चारों वेदों का सामान्य परिचय दीजिए।

2. किन्हीं दो पुराणों का महत्त्व बताइये।

3. नक्षत्रों का सामान्य परिचय दीजिए।

4. जातकर्म एवं नामकरण मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिए।

5. उपनयन संस्कार का मुहूर्त्त बताइये।

6. वरवरण मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिए।

7. मुहूर्त्त की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

8. कर्मकाण्ड का आध्यात्मिक महत्त्व बताइये।

****